Shri Mahalakshmi Chalisa Lyrics

Shri Mahalakshmi Chalisa Lyrics in Hinglish

॥ दोहा ॥
जय जय श्री महालक्ष्मी,करूँ मात तव ध्यान।
सिद्ध काज मम किजिये,निज शिशु सेवक जान॥

॥ चौपाई ॥
नमो महा लक्ष्मी जय माता।तेरो नाम जगत विख्याता॥
आदि शक्ति हो मात भवानी।पूजत सब नर मुनि ज्ञानी॥

जगत पालिनी सब सुख करनी।निज जनहित भण्डारण भरनी॥
श्वेत कमल दल पर तव आसन।मात सुशोभित है पद्मासन॥

श्वेताम्बर अरू श्वेता भूषण।श्वेतही श्वेत सुसज्जित पुष्पन॥
शीश छत्र अति रूप विशाला।गल सोहे मुक्तन की माला॥

सुंदर सोहे कुंचित केशा।विमल नयन अरु अनुपम भेषा॥
कमलनाल समभुज तवचारि।सुरनर मुनिजनहित सुखकारी॥

अद्भूत छटा मात तव बानी।सकलविश्व कीन्हो सुखखानी॥
शांतिस्वभाव मृदुलतव भवानी।सकल विश्वकी हो सुखखानी॥

महालक्ष्मी धन्य हो माई।पंच तत्व में सृष्टि रचाई॥
जीव चराचर तुम उपजाए।पशु पक्षी नर नारी बनाए॥

क्षितितल अगणित वृक्ष जमाए।अमितरंग फल फूल सुहाए॥
छवि विलोक सुरमुनि नरनारी।करे सदा तव जय-जय कारी॥

सुरपति औ नरपत सब ध्यावैं।तेरे सम्मुख शीश नवावैं॥
चारहु वेदन तब यश गाया।महिमा अगम पार नहिं पाये॥

जापर करहु मातु तुम दाया।सोइ जग में धन्य कहाया॥
पल में राजाहि रंक बनाओ।रंक राव कर बिमल न लाओ॥

जिन घर करहु माततुम बासा ।उनका यश हो विश्व प्रकाशा ॥
जो ध्यावै से बहु सुख पावै ।विमुख रहे हो दुख उठावै ॥

महालक्ष्मी जन सुख दाई ।ध्याऊं तुमको शीश नवाई ॥
निज जन जानीमोहीं अपनाओ ।सुखसम्पति दे दुख नसाओ ॥

ॐ श्री-श्री जयसुखकी खानी ।रिद्धिसिद्ध देउ मात जनजानी ॥
ॐह्रीं-ॐह्रीं सब व्याधिहटाओ ।जनउन विमल दृष्टिदर्शाओ ॥

ॐक्लीं-ॐक्लीं शत्रुन क्षयकीजै ।जनहित मात अभय वरदीजै ॥
ॐ जयजयति जयजननी ।सकल काज भक्तन के सरनी ॥

ॐ नमो-नमो भवनिधि तारनी ।तरणि भंवर से पार उतारनी ॥
सुनहु मात यह विनय हमारी ।पुरवहु आशन करहु अबारी ॥

ऋणी दुखी जो तुमको ध्यावै ।सो प्राणी सुख सम्पत्ति पावै ॥
रोग ग्रसित जो ध्यावै कोई ।ताकी निर्मल काया होई ॥

विष्णु प्रिया जय-जय महारानी ।महिमा अमित न जाय बखानी ॥
पुत्रहीन जो ध्यान लगावै ।पाये सुत अतिहि हुलसावै ॥

त्राहि त्राहि शरणागत तेरी ।करहु मात अब नेक न देरी ॥
आवहु मात विलम्ब न कीजै ।हृदय निवास भक्त बर दीजै ॥

जानूं जप तप का नहिं भेवा ।पार करो भवनिध वन खेवा ॥
बिनवों बार-बार कर जोरी ।पूरण आशा करहु अब मोरी ॥

जानि दास मम संकट टारौ ।सकल व्याधि से मोहिं उबारौ ॥
जो तव सुरति रहै लव लाई ।सो जग पावै सुयश बड़ाई ॥

छायो यश तेरा संसारा ।पावत शेष शम्भु नहिं पारा ॥
गोविंद निशदिन शरण तिहारी ।करहु पूरण अभिलाष हमारी ॥

॥ दोहा ॥
महालक्ष्मी चालीसा,पढ़ै सुनै चित लाय ।
ताहि पदारथ मिलै,अब कहै वेद अस गाय ॥

Shri Mahalakshmi Chalisa Lyrics in Hinglish

□ Doha □
Jai Jai Shri Mahalakshmi, Karoon Maat Tav Dhyaan
Siddh Kaaj Mam Kijiye, Nij Shishu Sevak Jaan

□ Chaupai □
Namo Maha Lakshmi Jai Maata, Tero Naam Jagat Vikhyaata
Aadi Shakti Ho Maat Bhavani, Poojat Sab Nar Muni Gyaani

Jagat Paalini Sab Sukh Karni, Nij Janhit Bhandaaran Bharni
Shvet Kamal Dal Par Tav Aasan, Maat Sushobhit Hai Padmaasan

Shvetambar Aru Shveta Bhushan, Shvetahi Shvet Sujjhit Pushpan
Sheesh Chhatra Ati Roop Vishaala, Gal Sohe Muktan Ki Maala

Sundar Sohe Kunchit Kesha, Vimal Nayan Aru Anupam Bheshha
Kamlanal Sambhuj Tav Chari, Sur Nar Munijan Hit Sukhkaari

Adbhut Chhata Maat Tav Baani, Sakal Vishva Keenho Sukhaani
Shaanti Swabhaav Mridul Tav Bhavani, Sakal Vishva Ki Ho Sukhaani

Mahalakshmi Dhanya Ho Maai, Panch Tatva Mein Srishti Rachaayi
Jeev Charaachar Tum Upjaaye, Pashu Pakshi Nar Naari Banaaye

Kshitital Aganit Vriksh Jamaaye, Amit Rang Phal Phool Suhaaye
Chhavi Vilok Sur Muni Nar Naari, Kare Sadaa Tav Jai-Jai Kaari

Surapati Au Narpat Sab Dhyaave, Tere Sammukh Sheesh Nawaave
Charahu Vedan Tab Yash Gaaya, Mahima Agam Paar Nahi Paaye

Jaapar Karhu Maat Tum Daaya, Soi Jag Mein Dhanya Kahaya
Pal Mein Raajahi Rank Banaao, Rank Raav Kar Bimal Na Laao

Jin Ghar Karhu Maat Tum Baasa, Unka Yash Ho Vishva Prakaasha
Jo Dhyaave Se Bahu Sukh Paave, Vimukh Rahe Ho Dukh Uthaave

Mahalakshmi Jan Sukh Daayi, Dhyaoon Tumko Sheesh Nawaayi
Nij Jan Jaani Mohi Apnaao, Sukh Sampati De Dukh Nasao

Om Shri-Shri Jai Sukh Ki Khani, Riddhi Siddhi Deu Maat Jan Jaani
Om Hreem-Om Hreem Sab Vyadhi Hataao, Jan Un Vimal Drishti Dikhlao

Om Kleem-Om Kleem Shatrun Kshay Kijai, Janhit Maat Abhay Var Deejai
Om Jai Jayati Jai Janani, Sakal Kaaj Bhaktan Ke Sarni

Om Namo-Namo Bhavanidhi Taarani, Tarani Bhavar Se Paar Utaarani
Sunahu Maat Yeh Vinay Hamaari, Puravahu Aasha Karhu Abaari

Rini Dukhi Jo Tumko Dhyaave, So Praani Sukh Sampatti Paave
Rog Grasit Jo Dhyaave Koi, Taaki Nirmal Kaaya Hoyi

Vishnu Priya Jai-Jai Maharani, Mahima Amit Na Jaay Bakhani
Putraheen Jo Dhyaan Lagaave, Paaye Sut Ati Hi Hulsaawe

Traahi Traahi Sharanagat Teri, Karhu Maat Ab Nek Na Deri
Aavahu Maat Vilamb Na Kije, Hriday Nivaas Bhakt Bar Dije

Janoon Jap Tap Ka Nahin Bheva, Paar Karo Bhavanidhi Van Kheva
Binavon Baar-Baar Kar Jori, Pooran Aasha Karhu Ab Mori

Jani Daas Mam Sankat Taaro, Sakal Vyadhi Se Mohi Ubaaro
Jo Tav Surati Rahai Lav Laayi, So Jag Paave Suyash Badaayi

Chaayo Yash Tera Sansara, Paavat Shesh Shambhu Nahin Paara
Govind Nishdin Sharan Tihari, Karhu Pooran Abhilaash Hamari

Doha
Mahalakshmi Chalisa, Padhe Sunay Chit Laay
Taahi Padarath Milay, Ab Kahay Ved As Gaay

Shri Mahalakshmi Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥

जय जय श्री महालक्ष्मी, मैं माता का ध्यान करूँ।
मेरे सिद्ध कार्य करो, निज शिशु सेवक जान।

॥ चौपाई ॥

नमो महा लक्ष्मी, जय माता। तेरा नाम जगत में प्रसिद्ध है।
आदि शक्ति हो, माता भवानी। सब मनुष्य और मुनि तुझे पूजते हैं।

तू जगत की पालिनी और सब सुख देने वाली है।
अपने भक्तों के लिए भंडारण भरती है।
तेरे आसन पर सफेद कमल का दल है। माता पद्मासन में सुशोभित हैं।

तू सफेद वस्त्र और सफेद आभूषण पहने है।
सफेद फूलों से सुसज्जित है।
तेरे सिर पर विशाल छत्र है,
और गले में मोतियों की माला सुशोभित है।

सुंदरता से भरी, तेरे बाल कुंचित हैं।
तेरी आंखें निर्मल हैं और रूप अद्वितीय है।
कमल के समान चार भुजाएँ हैं।
तू सुर, नर और मुनियों के लिए सुखकारी है।

तेरी अद्भुत छटा और वाणी है।
तू सम्पूर्ण विश्व का सुख देने वाली है।
तेरी स्वभाव में शांति और मृदुता है,
संपूर्ण विश्व को सुख देने वाली है।

महालक्ष्मी, तू धन्य है, माई।
पंच तत्व में सृष्टि का निर्माण किया।
जीवों और चराचरों को तूने उत्पन्न किया।
तूने पशु, पक्षी, नर और नारी बनाए।

पृथ्वी पर अगणित वृक्षों को जमाया।
अमित रंग और फल-फूलों की सुंदरता है।
तेरी छवि देखकर देव, मुनि, और नर-नारी
तेरे जय-जयकार करते हैं।

सुरपति और नरपति सब तेरा ध्यान करते हैं।
तेरे सामने शीश नवाते हैं।
चारों वेद तेरा यश गाते हैं,
तेरी महिमा की कोई पार नहीं पा सकता।

जो तुझे माता, तू दया करे।
वही जग में धन्य कहलाए।
एक पल में राजा को रंक बना दे,
और रंक को राव कर बिमल न छोड़।

जिनके घर में तू निवास करती है,
उनका यश विश्व में प्रकाशित होता है।
जो तेरा ध्यान करते हैं, उन्हें बहुत सुख मिलता है।
जो तुझसे विमुख होते हैं, उन्हें दुख सहना पड़ता है।

महालक्ष्मी, तू जन सुख दाई है।
मैं तेरा ध्यान करते हुए शीश नवाती हूँ।
अपने भक्तों को तू अपनाओ,
सुख और सम्पत्ति दे, दुख नाश करो।

ॐ श्री-श्री जय सुख की खानी।
रिद्धि-सिद्धि दे, माता जन जानी।
ॐ ह्रीं-ॐ ह्रीं, सब व्याधियों को हटा दो।
जो तुझे विमल दृष्टि दें, उन्हें दिखाओ।

ॐ क्लीं-ॐ क्लीं, शत्रुओं का नाश करो।
जनहित में माता, अभय वर दो।
ॐ जय जयति जय जननी।
सकल कार्य भक्तों के शरण में हो।

ॐ नमो-नमो, भव निधि तारनी।
तरन भंवर से पार उतारने वाली।
सुनो माता, यह मेरी विनती है।
आसन ग्रहण करो, कृपा करो।

जो ऋणी और दुखी हैं, वे तुझे ध्यान करते हैं।
वह प्राणी सुख और सम्पत्ति पाता है।

जो रोगग्रस्त हैं, उनका शरीर निर्मल हो जाए।

विष्णु प्रिय, जय-जय महारानी।
तेरी महिमा असीम है, उसका बखान नहीं किया जा सकता।
जो पुत्रहीन ध्यान करते हैं,
उन्हें पुत्र की प्राप्ति होती है और वे अत्यंत खुश होते हैं।

तू शरणागत की रक्षा कर।
माता, अब देरी मत करो।
आओ माता, विलम्ब न कीजिए।
भक्त को हृदय में निवास दो।

मैं जानती हूँ, जाप और तप का कोई भेद नहीं है।
भव निधि को पार करो।
बार-बार निवेदन करती हूँ, कृपा करो।
मैं जानती हूँ, दास की सहायता करो।
सकल व्याधियों से मुझे उबारो।

जो तेरा स्मरण करता है, वह जग में सुयश प्राप्त करता है।
तेरा यश संसार में छाया हुआ है।
गोविंद, दिन-रात तेरा शरण में हूँ।
हमारी सभी इच्छाओं को पूर्ण करो।

॥ दोहा ॥
महालक्ष्मी चालीसा, पढ़े सुनें मन लगाएं।
उन्हें सभी पदार्थ मिलते हैं, ऐसा वेद कहता है।

Shri Mahalakshmi Chalisa Meaning in English

Doha
Victory, victory to Shri Mahalaxmi, I meditate on you, Mother.
Please fulfill my wishes, recognizing me as your devoted servant.

□ Chaupai □

Salutations to Maha Lakshmi, victory to the Mother. Your name is renowned in the world.
You are the primordial energy, Mother Bhavani. All beings, sages, and wise men worship you.

You sustain the world and bring all happiness.
You fill the needs of your devotees.
On a white lotus petal is your seat,
Mother, you are beautifully seated in the lotus posture.

You wear white garments and white ornaments.
You are adorned with white flowers.
A large, beautiful umbrella is above your head,
and a garland of pearls adorns your neck.

You look beautiful with your curly hair.
Your eyes are pure, and your form is unmatched.
Your four arms resemble lotus stems,
bringing joy to gods, humans, and sages alike.

Your divine appearance and speech are wondrous.
You provide happiness to the entire universe.
Your nature is peaceful, and you are soft-hearted,
making the whole world joyful.

Mahalakshmi, you are blessed, O Mother.
You created the universe from the five elements.
You brought forth living beings, both moving and non-moving.
You created animals, birds, men, and women.

Countless trees are planted on the earth,
with an abundance of colors, fruits, and flowers.
Seeing your beauty, gods, sages, and humans
always chant your glories.

Gods and kings meditate on you,
bowing their heads before you.

All four Vedas sing your praise,
and your glory is beyond comprehension.

Those who chant your name, O Mother, please grant them mercy.
Such people are called blessed in the world.
In an instant, you can turn a king into a pauper,
and a pauper can gain wealth by your grace.

Those in whose homes you reside,
their fame shines brightly in the world.
Those who meditate on you attain great happiness,
while those who turn away from you face suffering.

Mahalakshmi, you are the giver of joy to all.
I bow to you in my meditation.
Embrace your devotees,
bestow happiness and prosperity, and remove their sorrows.

Om Shri Shri, the abode of happiness.
O Mother, grant us the powers of Riddhi and Siddhi.
Om Hreem, remove all ailments.
Bestow your pure vision on those who seek you.

Om Kleem, annihilate the enemies.
Grant fearlessness to the devotees, O Mother.
Om Victory, victory, victory to the Mother.
May all tasks of the devotees be fulfilled.

Om Namah, Namah, you who ferry across the ocean of existence,
lead us safely across the whirlpool of life.
Hear, O Mother, this is my prayer.
Please accept my request and bless us.

Those who are indebted and suffering, when they meditate on you,
they receive happiness and wealth.
Those who are afflicted by diseases, may their bodies be purified.

Victory to you, O Queen beloved of Vishnu!

Your glory is infinite and cannot be described.
Those who are childless and meditate upon you,
will be blessed with children and rejoice greatly.

Help the seekers who surrender to you.
O Mother, do not delay any longer.
Come, O Mother, do not postpone.
Grant residence in the heart of your devotees.

I know that there is no distinction in the practice of chanting and penance.
Lead me across the ocean of existence.
I repeatedly beseech you, grant me mercy.
As your servant, remove my troubles.
Those who hold your remembrance close will attain great fame.

Your glory envelops the universe.
O Govind, day and night, I am in your refuge.
Please fulfill our wishes.

Doha
Those who read and listen to Mahalaxmi Chalisa with focused minds,
attain all desired objects; thus, the Vedas declare.